विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 29 जनवरी से 4 फरवरी 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 37 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

ज़ीवन में कर्म का फल आज नहीं तो कल सामने आता है. जीवन में दोहरे चरित्र वाले कभी न कभी लोगों के सामने आते हैं. आप अगर कुछ गलत करते हैं तो निश्चित तौर पर दुनिया भले ही नहीं समझे लेकिन आपके दिल में रहने वाले परमात्मा तो आपके बुरे और अच्छे कर्म दोनों ही देखते हैं. अच्छा करने वालों को अच्छा और बुरा का फल बुरा होता है

चीनी के साथ यह चार चीजें भी बन सकती हैं जहर

नई दिल्ली- हम रोजमर्रा की जिंदगी में कई ऐसी चीजें खाते हैं, जो दिखने में आम लगती हैं और स्वाद में भी अच्छी होती हैं, लेकिन धीरे-धीरे हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाती हैं. इनमें सबसे पहले नाम आता है चीनी का, जिसका इस्तेमाल भारत में चाय, कॉफी, मिठाइयों और डेजर्ट्स में खूब किया जाता है. हेल्थ एक्सपर्ट्स भी मानते हैं कि चीनी का ज्यादा सेवन शरीर के लिए धीमे जहर की तरह काम करता है, इसलिए इसे कम से कम खाने की सलाह दी जाती है.लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिर्फ चीनी ही नहीं, बल्कि हमारी डाइट में शामिल कई सफेद रंग की चीजें भी ऐसी हैं, जो स्वाद भले ही बढ़ा दें, लेकिन सेहत के लिए बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं होतीं.वजन बढ़ना, पेट निकलना, जल्दी थकान, हाई ब्लड प्रेशर, **शेष पेज 5 पर**

धमाका नहीं होता तो बच जाते थे दादा

प्रत्यक्षदर्शी ने बताई आंखों देखी घटना, बिना रनवे पर उतरे लैंड हो गया था प्लेन,फिर धमाका

विदर्भ स्वाभिमान, 27 जनवरी

अमरावती/मुंबई- क़हते हैं जीवन में कुछ बातें मनुष्य की सोच से परे होती हैं. बुधवार को हुई दुर्घटना और उसमें उपमुख्यमंत्री तथा राकांपा प्रमुख अजीत दादा पवार की मौत भी कुछ इसी तरह की कही जा सकती है. प्रत्यक्ष दर्शी के मुताबिक प्लेन लैंड हो गया था और दादा उतर गए थे लेकिन धमाका होने के बाद कुछ ही पल में सब कुछ खत्म हो गया.

प्रत्यक्षदर्शी पोपटराव खैरे के मुताबिक अजीतदादा ने मुझे बुधवार सुबह बारामती तालुका में ज़िला परिषद के उम्मीदवारों के कैंपेन पर बात करने के लिए बुलाया था. मैं सुबह 8:30 बजे से एयरपोर्ट पर इंतज़ार कर रहा था. प्लेन आया और रनवे पर लैंड

करने की कोशिश में चार-पांच किलोमीटर फिर उड़ गया. प्लेन बिना रनवे पर उतरे फिर से लैंड हुआ और धमाका हो गया. उस समय दादा की बॉडी बाहर थी.अगर धमाका नहीं हुआ होता, तो दादा बच जाते,बारामती तालुका के कलखैरेवाड़ी के पोपटराव खैरे ने कहा, जो एक चश्मदीद गवाह हैं.अजीतदादा ने बारामती तालुका के सूपा परगना में सूपा पंचायत समिति सीट को दे दी थी. नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी ने तहसील में सिर्फ़ दो सीटों के लिए अलायंस किया था. अजीतदादा ने खैरे के साथी दिलीप खैरे को कैंपेन पर बात करने के लिए बुलाया था. लेकिन, सुबह खैरे को अचानक दूसरा काम आ गया, तो पोपटराव खैरे उनसे मिलने चले गए. वह इंतजार कर रहे थे और उसी समय प्लेन क्रैश होने का सदमा उन पर भी देखा गया. खैरे और उनके साथी दादा के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर इंतज़ार कर रहे थे. उस समय प्लेन क्रैश हो गया था. उन्होंने 'माता' से बात करते हुए वह असली घटना बताई. घटना को लेकर राज्यभर में ही नहीं बल्कि देशभर में शोक वाली स्थिति है.दबंग नेता तथा लोकनेता के रूप में दादा प्रसिद्ध थे.

उत्तर-पश्चिमी राज्यों में मौसम खेल रहा है खेल,चार दिन रहेगा असर

विदर्भ स्वाभिमान, 28 जनवरी

नागपुर-उत्तर भारत में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है. कड़ाके की ठंड, बारिश, बर्फबारी और शीत लहर का असर जनजीवन पर महसूस किया जा रहा है. पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी और बारिश से यातायात प्रभावित हुआ है, वहीं मैदानी क्षेत्रों में ठिठुरन बढ़ गई है. मौसम विभाग (क्ष्क़) के अनुसार, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ 30 जनवरी की रात से उत्तर-पश्चिम भारत में प्रभाव डालना शुरू करेगा, जिसका असर अगले चार दिनों यानी 2 फरवरी तक देखा जाएगा.

बारिश और बर्फबारी से प्रभावित क्षेत्र-जम्मू-कश्मीर के गरेज सेक्टर में बर्फीले तूफान ने 100 घरों को नुकसान पहुंचाया है, लेकिन मौसम के बावजूद भारतीय सेना की जारी रही. उत्तराखंड के टिहरी जिले में चिरबिटिया और कद्दूखाल इलाकों में भारी बर्फबारी से लोग घरों में सीमित रह गए. प्रशासन ने 5 दिन से बंद घत्तू गंगी मार्ग को बहाल कर कई गाँवों को शहरों से जोड़ दिया. मध्य प्रदेश के खरगोन में मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं और चने की फसलें बर्बाद हो गई हैं. पूर्व कृषि मंत्री सचिन यादव ने किसानों के मुआवजे की मांग की है. राजस्थान के कोटा में बारिश के दौरान रामगंजमंडी के कुम्भकोट कस्बे में बिजली की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई, जिसकी शादी अप्रैल में होनी थी.दिल्ली और ग़्क्ड में बारिश का सिलसिला जारी है. पिछले तीन दिनों में यहां दो दिन बारिश हुई और हाल के दिन बादल छाए रहे. इसका असर अधिकतम और न्यूनतम तापमान पर भी पड़ाः अधिकतम 18.4ख्ब और न्यूनतम 12.डिसे दर्ज किया गया. अगले सात दिनों तक 4 फरवरी तक मौसम बिगड़ा रहेगा.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

अपराध शाखा की सफल कार्रवाई सराहनीय है

नए पुलिस आयुक्त राकेश ओला के नेतृत्व में पुलिस द्वरा की जा रही कार्रवाई निश्चित ही सराहनीय है. यद्यपि पुलिस डाल-डाल तो चोर पात-पात वाली स्थिति है लेकिन यह भी उतना ही सही है कि अगर पुलिस ठान ले तो मजाल नहीं कि मंदिर से कोई चप्पल भी चोरी हो जाए. लेकिन यह संतोष की बात है कि शहर पुलिस के साथ ही अपराध शाखा की सक्रियता के कारण चोर, सेंधमारों तथा अवैध धंधे करने वालों में भय वाली स्थिति है. बुधवार को अपराध शाखा द्वारा भी लगातार जांच और कुख्यातों को दबोचने का सिलसिला चल रहा है. इसी कड़ी में शहर अपराध शाखा ने आयुक्तालय क्षेत्र में सिलसिलेवार घरफोड़ियों को अंजाम देने वाले कुख्यात चोर समेत दो आरोपियों को फिल्मी अंदाज में गिरफ्तार कर बड़ी कामयाबी हासिल की है. इनसे चोरी की कई घटनाओं का खुलासा होने की संभावना है. पुलिस ने भुसावल से बडनेरा तक विदर्भ एक्सप्रेस में यात्रा कर बुधवार की तड़के कार्रवाई करते हुए दोनों को धर दबोचा.आरोपियों की निशानदेही पर शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुई 10 चोरी की वारदातों का खुलासा किया गया है. उनके कब्जे से कुल 20 लाख 73 हजार रुपए का चोरी का माल जब्त किया गया.गिरफ्तार आरोपियों में पंकज राजू गोंडाणे और सागर जनार्धन गोगटे का समावेश है, यह दोनों कुख्यात सेंधमार हैं और इससे पहले भी कई घटनाओं को अंजाम दिया है. इस गिरोह से जुड़े तीन अन्य आरोपी फिलहाल फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है. जांच में सामने आया कि पंकज गोंडाणे ने महज 13 वर्ष की उम्र से चोरी का रास्ता अपनाया और बीते कुछ महीनों में साथियों के साथ मिलकर शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 60 से अधिक घरों को निशाना बनाया.

कुख्यात यह सेंधमार पुलिस से बचने के लिए कई तरकीबें लड़ाते हैं, इसमें मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करना और स्थायी ठिकाना न होने के कारण उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थी. अपराध शाखा की इसके लिए सराहना की जानी चाहिए. अपराध शाखा ने खबरी नेटवर्क सक्रिय कर 27 जनवरी की शाम पुख्ता सूचना हासिल की कि गोंडाणे एक साथी के साथ मुंबई से नागपुर जाने के लिए विदर्भ एक्सप्रेस में सवार हुआ है. इस पर टीम तुरंत भुसावल पहुंची और ट्रेन में चढ़कर बडनेरा तक निगरानी की. 28 जनवरी की सुबह बडनेरा स्टेशन पहुंचने से पहले ही स्लीपर कोच से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया.शहर पुलिस आयुक्त की सक्रियता विगत कुछ दिनों में बढ़ी है. मनपा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होने के साथ ही जिस तरह से अपराधियों पर भी कोड़ा चल रहा है, वह सराहनीय है.

अमरावती से दादा का सदा था लगाव

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

महाराष्ट्र को किसी की बुरी नजर तो नहीं लग गई, इस तरह का सवाल किया जा सकता है. राज्य के दबंग नेता, 6 बार हर सरकार में उपमुख्यमंत्री के साथ ही वित्तमंत्री जैसे पद पर रहकर राज्य की सेवा करने वाले और दूरदर्शी नेता अजीतदादा पवार का अमरावती जिले से सौ. सुलभाताई खोड़के और संजय खोड़के के माध्यम से अत्याधिक लगाव था. यही कारण है कि उनका इस तरह से जाना किसी को विश्वास नहीं करवा पा रहा है. बारामती में जिला परिषद चुनाव के प्रचार की सभाओं को संबोधित करने के लिए वह जा रहे थे. लेकिन 8.10 बजे उड़ा विमान 40 मिनट के बाद काल बन जाएगा, इसकी कल्पना किसी ने भी नहीं की थी. इस खबर ने राज्य को हिलाकर रख दिया. जो व्यक्ति जन्मा है उसकी मौत अटल है. लेकिन अजीतदादा पवार अपने कार्यों के चलते सदा अमर रहेंगे. विदर्भ स्वाभिमान परिवार द्वारा लोकनेता को विनम्र आदरांजलि.

राज्य में लगातार छह बार उपमुख्यमंत्री पद संभालने वाले

अजितदादा पवार का बुधवार को विमान हादसे में देहांत हो गया. 66 वर्ष 6 महीने 6 दिन की आय में दादा के निधन ने अमरावती सहित लाखों कार्यकर्ताओं को मायूस कर दिया. जितने दबंग नेता था, उतने ही कर्मठ नेता रहने का अनुमान जीवन के अंतिम समय तक उनके काम करने के तरीके से लगता है. हवाई यात्रा के दौरान भी सैकड़ों फाइलें और उनसे उड़े हर कागज यह चीख-चीखकर कहने के लिए काफी है कि दादा काम को किस तरह पूजा मानते थे. जीवन के अंतिम क्षण तक वह काम करते रहे. सुबह छह बजे से काम में जुट जाने वाला, महाराष्ट्र के हितों के लिए निरंतर जागरूक रहने वाला ऐसा कर्मठ राजनीतिक व्यक्तित्व दूसरा कोई नहीं था और शायद होगा भी नहीं. कोरोना काल में भी मंत्रालय पहुंचकर बैठकों का नेतृत्व करने वाले नेता अजितदादा ही थे. वे स्वयं तो काम करते ही थे, साथ ही पूरी प्रशासनिक मशीनरी को भी काम में झोंक देते थे. रोखठोक, स्पष्टवक्ता, काम होना है या नहीं इस पर तुरंत निर्णय और परिणाम देने वाले अजितदादा थे. वे बोलने में सख्त और कड़े थे, पर उतने ही संवेदनशील भी. अनुशासन के मामले में कठोर, पर मन से बेहद कोमल सामान्य लोगों की समस्याओं को गहराई से समझने वाले नेता को विनम्र आदरांजलि. वे अपने कार्यों से सदा अमर रहेंगे, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए.

राज्य की अपूरणीय क्षति

अजीत पवार साहब न केवल एक नेता बल्कि सुलझे हुए राजनेता के साथ ही स्पष्टवादी नेता थे. उनके असमय निधन के कारण राज्य की ऐसी क्षति हुई है, जिसकी प्रतिपूर्ति नहीं की जा सकती है. वे जहां स्पष्टवादी नेता थे, वहीं सिद्धांतों पर चलते थे, समय प्रबंधन में उनका कोई सानी नहीं था. उनकी प्रशासनिक क्षमता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता था कि उन्होंने मीटिंग के लिए जो समय दिया होता, उसके पहले ही अधिकारी पहुंच जाते थे. गहन अध्ययन उनकी खूबी थी और बिना लाग-लपेट के बोल देते थे, विमान हादसे में उनकी मौत निश्चित ही राज्य के लिए बड़ा सदमा है. राज्य के वरिष्ठ नेता अजित पवार न केवल एक प्रभावशाली राजनेता थे, बल्कि एक कुशल प्रशासक के रूप में भी जाने जाते थे. उनके नेतृत्व मे राज्य के प्रशासनिक मामलों में स्पष्ट दृष्टिकोण और निष्पक्ष निर्णय देखने को मिला. दादा की विशेषता थी कि वे किसी भी विषय पर गहन अध्ययन करके ठोस निर्णय लेते थे. जनसेवा के मामले में उनकी कार्यशैली न केवल प्रभावशाली थी, बल्कि सभी वर्गों के लोगों के लिए मार्गदर्शक साबित होती थी. चाहे आर्थिक सुधार हों, शिक्षा या सामाजिक कल्याण के कार्यक्रम, दादा ने हमेशा ऐसी नीतियां अपनाई जो जनता के हित में और कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायक हों.उनकी दूरदर्शिता, प्रशासनिक अनुभव और निर्णय लेने की क्षमता ने उन्हें राज्य में एक सक्षम और भरोसेमंद प्रशासक के रूप में स्थापित किया. उनके अकस्मात निधन से राज्य ने एक दूरदर्शी, निर्णायक और जनता के प्रति संवेदनशील नेता खो दिया.उनका जीवन और कार्य सदैव नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए आदर्श और प्रेरणादायक रहेगा.

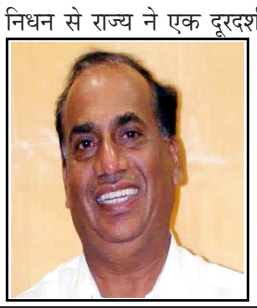

सुदर्शन गांग
समाजसेवी, बडनेरा.

आत्ममंथन जरूरी : राजनीति में नैतिकता का उठता जनाजा

महान भारत देश में ऐसे भी नेता हुए हैं, जिन्होंने नैतिकता का आदर्श स्थापित किया है, रेलवे दुर्घटना के लिए स्वयं को जिम्मेदार मानकर इस्तीफा देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री और प्रधानमंत्री रहते हुए भी सादगी का जीवन जीने वाले गुलजारीलाल नंदा सहित सैकड़ों ऐसे महान नेताओं के देश में आज राजनीति कितनी नीति विहीन हो गई है, यह हैरत के साथ ही आत्मचिंतन करने वाला विषय बन गई है. आज की राजनीति में सबसे बड़ी चिंता यह है कि नीति और सिद्धांत धीरे-धीरे हाशिये पर जा रहे हैं. सत्ता प्राप्ति ही लक्ष्य बन गई है, और साधन गौण हो गए हैं. विचारधारा, नैतिकता और जनहित की जगह अवसरवाद, स्वार्थ और जोड़-तोड़ ने ले ली है.कभी राजनीति समाज को दिशा देने का माध्यम थी, आज वह अक्सर केवल पद और प्रभाव का खेल बनती जा रही है. चुनावी वादे पूरे न होने की प्रवृत्ति, दल-बदल, धनबल-बाहुबल का बढ़ता प्रभाव और व्यक्तिगत लाभ के लिए लिए गए निर्णय ये सब नीति-विहीन राजनीति के स्पष्ट उदाहरण हैं.इसका सबसे बड़ा नुकसान आम जनता को होता है. जनता का विश्वास कमजोर पड़ता है, लोकतंत्र की जड़ें हिलती हैं और युवा राजनीति से विमुख होने लगते हैं. जब नीति नहीं होती, तो विकास भी दिशाहीन हो जाता है.

लेकिन इसके लिए केवल नेता जिम्मेदार हैं, यह नहीं माना जा सकता है. इसका समाधान भी हमारे ही हाथ में है सचेत मतदाता, जवाबदेह नेतृत्व और नैतिक मूल्यों से युक्त राजनीति. राजनीति को फिर से सेवा, त्याग और सिद्धांतों का क्षेत्र बनाना होगा. तभी लोकतंत्र सशक्त होगा और समाज का वास्तविक कल्याण संभव हो पाएगा.बदलता राजनीतिक परिवेश समाज तथा राष्ट्र को कहां लेकर जाएगा, यह कहना मुश्किल हो गया है. सौभाग्य की बात है कि आज भी तीन स्तंभ में बदलाव के बाद भी चौथा स्तंभ मजबूती से खड़ा है और पूरी ताकत से क्यों नहीं सही लेकिन जनता पर होने वाले अन्याय का समय-समय पर मुखर कर रहा है और कम से कम लोकतंत्र की रक्षा में अपना महत्तम योगदान दे रहा है. कोई जाति पर कोई धर्म पर राजनीति कर रहा है. इनका मकसद केवल लोगों को लड़ाना और अपना उल्लू सीधा करना है. समाज के लिए यह सबसे कठिन दौर कहना गलत नहीं होगा, इसकी स्थिति ऐसी हो गई है कि विचारधारा के अभाव में वह किस पर भरोसा करे और किस पर भरोसा नहीं करे. जो उसे अपना बताते नहीं थकते थे, इनके कारण सत्ता का जीवनभर उपभोग करते थे, वही आज सत्ता की खातिर नीति, तत्व और सिद्धांत के साथ चोला बदलकर सांप्रदायिक तत्वों के साथ हो गए हैं और जिन्हें यह पहले से ही सांप्रदायिक समझते थे, वे आज सेक्यूलर हो गए हैं अथवा होने का ढोंग कर रहे हैं. मौजूदा दौर में जिस तरह की राजनीति हो रही है. लोगों को चिंतन करते हुए मजबूत लोकतंत्र के लिए अपना योगदान देना होगा. क़ेवल नेताओं को कोसने से काम नहीं चलेगा, अच्छों को चुनें गे तो ही अच्छा होगा.

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

घुईखेड की धरती पर जीवंत हुई संत परंपरा

विदर्भ स्वाभिमान, 27 जनवरी

अमरावती-जिले के चांदूर रेलवे तहसील के घुईखेड़ में श्री संत बें डोजी महाराज के संजीवन समाधि समारोह लाखों भक्तों की आस्था का जहां केन्द्र रहता है, वहीं प्रवीण घुईखेड़कर तथा संस्थान के सभी सदस्यों तथा पदाधिकारियों द्वारा जिस तरह से इसे अभूतपूर्व बनाया जाता है, वह अपने आप में मामूली बात नहीं है. कुल मिलाकर सभी के प्रयासों से घुईखेड़ की धरती पर संत परम्परा जिवंत रहने के साथ ही यहां लाखों लोगों की उपस्थिति के साथ ही हजारों लोगों को रोजगार भी मिलता है. देशभर के भक्त आस्थापूर्वक यहां शामिल होते हैं.

चांदूर रेल्वे तालुका के घुईखेड में 13वीं शताब्दी के महान संत श्री संत बेंडोजी महाराज के संजीवन समाधि सोहळे के अवसर पर उमड़ा भक्तिसागर केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की सुदीर्घ संत परंपरा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक बनकर सामने आया. लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने यह सिद्ध कर दिया कि संत विचारधारा आज भी जनमानस के हृदय में उतनी ही गहराई से स्थापित है, जितनी सदियों पहले थी.

बेंडोजी महाराज की जय के जयघोषों से गूंजता घुईखेड नगर यह

संदेश दे रहा था कि भक्ति, सेवा और मानवता की राह कभी पुरानी नहीं पड़ती. काल्याचे कीर्तन, भव्य दहीहंडी महोत्सव और ऐतिहासिक पालखी सोहळा इन सभी आयोजनों ने श्रद्धा के साथ-साथ लोकसंस्कृति की समृद्ध परंपरा को भी उजागर किया. 182 दिंडियों की सहभागिता यह दर्शाती है कि वारकरी संप्रदाय की परंपरा आज भी उतनी ही सशक्त और संगठित है.

यह समारोह केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक समरसता का भी उदाहरण बना. महिला-पुरुष, युवा-वृद्ध, ग्रामीण-शहरी सभी वर्गों की सहभागिता ने इसे जनआंदोलन का स्वरूप दिया. ईश्वरचिट्ठी से महाआरती का मान, साड़ी-चोली द्वारा सम्मान और महाप्रसाद की व्यवस्था, ये सभी पहलू संत परंपरा में निहित समानता और भाईचारे की भावना को सशक्त करते हैं.प्रशासन, पुलिस व्यवस्था, परिवहन सुविधा और स्वयंसेवकों का योगदान भी उल्लेखनीय रहा. चाक-चौबंद सुरक्षा, अतिरिक्त एसटी बसों की व्यवस्था और सुव्यवस्थित आयोजन यह दर्शाते हैं कि यदि जनसहभागिता और प्रशासनिक समन्वय हो, तो विशाल आयोजनों को भी अनुशासित और सुरक्षित ढंग से संपन्न किया जा सकता है.घुईखेड का यह संजीवन समाधि समारोह हमें यह भी स्मरण कराता है कि संतों की परंपरा केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन में नैतिकता, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी को आत्मसात करने का मार्ग है. आज के बदलते समय में, जब समाज अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है, तब संत बेंडोजी महाराज जैसे संतों का विचार दर्शन हमें सही दिशा दिखाने का कार्य करता है.घुईखेड में उमड़ा यह आस्था का सागर एक बार फिर यह सिद्ध करता है कि संत परंपरा महाराष्ट्र की आत्मा है,जो सदियों बाद भी उतनी ही जीवंत, प्रासंगिक और प्रेरणादायी बनी हुई है.समारोह की अपार सफलता के साथ ही जिस तरह से सभी के सहयोग से यह सफल होती है, उसके लिए प्रवीण घुईखेड़कर के साथ ही पूरा संस्थान क़े देशभर से आने वाले लाखों भक्तों को धन्य मानता है.

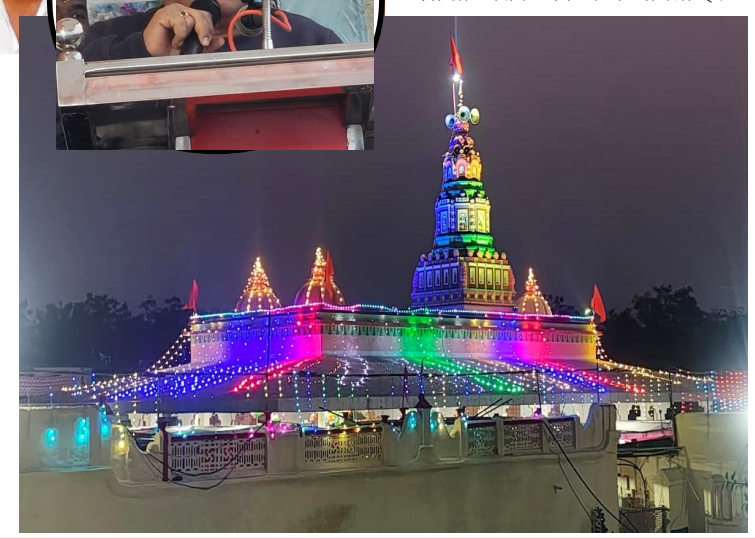

गुरूवार से 28 ज़नवरी से 4 फरवरी 2026 तक का भविष्य

मेष-मेष राशि के लोग आम तौर पर बहुत चतुर स्वभाव के होते हैं. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं. किसी बात को तब तक नहीं स्वीकार करते हैं, जब तक इनका खुद का नुकसान नहीं हो रहा हो. नया साल भाग्यदायी साबित हो सकता है.

वृषभ-यह सप्ताह भागदौड़ से भरा रहेगा. आपका मन अशांत रहेगा. स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है. परिवार में किसी अपने का दुखद समाचार प्राप्त होगा. पत्नी से मतभेद हो सकते हैं.

मिथुन-थोड़ी सी मेहनत भी आपको कामयाबी दिला सकती है. रिश्तों में विवाद टाले. अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.

कर्क-दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है. वाहन चलाते समय सावधानी बरतना उचित रहेगा. किसी से भी नाहक के विवाद से बचने का प्रयास लाभदायी होगा.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. सप्ताह में माता-पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. उन्हें खुश रखने का बेहतरीन फल प्राप्त हो सकता है. परिवार में किसी से विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.

तुला-घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है. सप्ताह बेहतरीन है. समुचित मेहनत आपको इच्छा पूर्ति करने में कामयाबी दिला सकती है.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी. छात्रों के लिए पढ़ाई का बेहतरीन मौका है. स्पर्धा परीक्षा में सफलता के योग हैं.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं. परिवार में किसी के साथ मनमुटाव से बचें . आपका भाग्य चमक सकता है.

मकर-घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ-सप्ताह बेहतरीन रहने वाला है. मेहनत और समझदारी जरूरी है. स्वास्थ्य के मामले में ध्यान देना जरूरी है. इस सप्ताह प्रभु की कृपा से बड़ा काम हो सकता है. किसी से नाहक विवाद करने से बचें. अपने काम पर ध्यान देकर बेहतरीन करने का प्रयास करें. सप्ताह आपके लिए अत्याधिक फलदायी है.काम बनने और लोगों का सहयोग मिलेगा.

भगवान व्यंकटेश्वर का फिर बैकुंठ पहुंचना

गतांक से जारी- प्राकृत जनों के मन में वास करते हुए धरती पर रहनेवाले श्री वेंकटाद्रि विभ और परग अप्राकृत प्रभाओं से दीपित होकर मिहिराव कांतियों से वराह स्वामी चमकते रहे. बहुरत्न गोपुर और प्राकार चमकनेवाले चार द्वारों के साथ, महनीय मरकत मणि तोरणों से शोभित वैकुंठपुर का स्मरण करके वहाँ के नित्य, मुक्तियों को देखने की इच्छा से वेंकटाद्रि विभ 'शेषाद्रि को शुभ्रघोणी के रूप में पालन करो.' बताकर उन्हें उसे सौंपकर स्वयं मायानिगूढ विमान पर बैठकर श्रीदेवी, भूदेवो और नीला देवी समेत श्री वेंकटेश्वर वैकुंठपुर चले गए. वहाँ नित्य शूने को देखकर, उनका आदर करके अप्राकृत मणिमय अंतःपुर में शेषशब्य पर बसे . तब शेषाद्रि पर रहनेवाले वराह स्वामी विश्वकर्म के द्वारा निर्मित नगर को अंतर्धान करके स्वेच्छा से वन विहार करते रहे. बाद

वृषभासुर से युद्ध करने निकले. इस प्रकार कुछ वर्ष बीत गए. फिर एक नारद वेंकटाद्रि पर आकर श्रीनिवास के वैकुंठ लौट जाने का वृत्तांत सत्य लोक जाकर ब्र्त्म को नमस्कार करके इस रूप में कहा.हे जनक ! सुनिए. चक्री शेषाचल में वराह स्वामी को मनाकर रोषाचल को उन्हें सौंप कर स्वयं वैकुंठ लौट गए हैं. कहने पर ब्र्त्म की समझ में कुछ नहीं आया. वे सोच में पड़ गए. फिर नारद से इस रूप में कहा. 'सुनो हे नारद! भूलोक में शेषाचल में पुरुषोत्तम के रहते समय जिन अत्यंत सात्विक अतिपुण्यात्मक बने हैं. बाद में स्वामी के वैकुंठ से आने से श्री वेंकटाद्रि पर मैं संकल्प करके बड़े उत्साह से बड़े पैमाने पर रथोत्सव कराया.वराह स्वामी अकेले ने उसका समर्थन नहीं किया. श्रीनिवास को वहाँ रहना है. इसलिए वासुदेव फिर से दशरथ के पुत्र के रूप में धरती पर पैदा होंगे. जिस रूप में वसुदेव और देवकी के गर्भ में श्री चक्री पैदा हुए थे, उसी रूप में कौसल्या के गर्भ से चक्री पैदा होंगे. हे मौनी! उसी रूप में आगे श्रीनिवास बांबी में शीघ्र ही पहुँचने के मार्ग के कार बारे में सोचिए. श्रीनिवास के फिर से गिरि पर पहुँचने के बाद पहले की भिरीति में रथोत्सव को जनहित में शाश्वत रूप में मैं कराता रहूँगा.

हे जनक ! सुनिए. चक्री शेषाचल में वराह स्वामी को मनाकर शेषाचल को उन्हें सौंप कर स्वयं वैकुंठ लौट गए हैं.' कहने पर ब्र्त्म की में कहा. 'सुनी हे नारद! भलोक में शेषाचल में पुरुषोत्तम के रहते समय समझ में कुछ नहीं आया. वे सोच में पड़ गए. फिर नारद से इस रूप जन अत्यंत सात्विक अतिपुण्यात्मक बने हैं. बाद में स्वामी के वैकुंठ में आने से श्री वेंकटाद्रि पर मैं संकल्प करके बड़े उत्साह से बड़े पैमाने पर रथोत्सव कराया. बराह स्वामी अकेले ने उसका समर्थन नहीं किया. श्रीनिवास को वहाँ रहना है. इसलिए वासुदेव फिर से दशरथ के पुत्र के रूप में धरती पर पैदा होंगे. जिस रूप में वसुदेव और देवकी के गर्भ में चक्री पैदा हुए थे, उसी रूप में कौसल्या के गर्भ से चक्री पैदा होंगे. हे मौनी ! उसी रूप में आगे श्रीनिवास बांबी में शीघ्र ही पहुँचने के मार्ग के बारे में सोचिए. श्रीनिवास के फिर से गिरि पर पहुंचने के बाद पहले की रीति में रथोत्सव को जनहित में शाश्वत रूप में मैं कराता रहूँगा.धरती पर श्रीनिवास के न होने से मनुष्य दुष्ट बनते हुए कलि की माया से सत्कर्म श्रद्धा से नहीं करते हैं. इसलिए श्रीहरि फिर से शेषगिरि पर लौटकर मनुष्यों की रक्षा करने के उपाय के बारे में नहीं सोचेंगे तो जन के पाप बढ़कर नरक में जाएंगे. इसलिए तुम दया को मन में रखते हुए माधव को फिर से इस पर्वत पर पहुँचाने के उपाय के बारे में सोचो.' ब्र्त्म की इन बातों को सुनकर मुनिश्रेष्ठ नारद ने आदरता के साथ ब्र्त्म के चरणों को प्रणाम किया.भक्तिभाव से जब हम भगवान बालाजी की पूजा-अर्चना तथा दर्शन करते हैं अथवा उम्र का तकाजा अथवा अन्य किसी कारण से घर में बैठकर भी व्यंकटेश्वर चालीसा का जाप किया जाए तो निश्चित तौर पर उसका जीवन में हर पल लाभ मिलता है.ज़ीवन में खुशियां लाने वाले गोविंदा की कृपा सभी पर बरसती रहे, यही कामना. ज़य गोविंदा.

शेष अगले अंक में

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN/2010/43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे   प्रबंधक : सौ. विणा एम. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

मानव धर्म, माता-पिता सेवा महात्म्य तथा राष्ट्रधर्म प्रोत्साहित करने वाला अखबार

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

महान कर्मठ नेता और दिग्विजयी व्यक्तित्व थे दादा

विदर्भ स्वाभिमान की आदरांजलि
अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसमुदाय
था उनकी अपार लोकप्रियता का सबूत

लगातार छह बार उपमुख्यमंत्री पद संभालने वाले अजितदादा पवार का 28 ज़नवरी 2026 को सुबह एक विमान दुर्घटना में 66 वर्ष 6 महीने 6 दिन की आयु में निधन होना पूरे महाराष्ट्र के लिए गहरा आघात था. सुबह छह बजे से काम में जुट जाने वाला, महाराष्ट्र के हितों के लिए निरंतर जागरूक रहने वाला ऐसा कर्मठ राजनीतिक व्यक्तित्व दूसरा कोई नहीं था और शायद होगा भी नहीं. कोरोना काल में भी मंत्रालय पहुंचकर बैठकों का नेतृत्व करने वाले नेता अजितदादा ही थे. वे स्वयं तो काम करते ही थे, साथ ही पूरी प्रशासनिक मशीनरी को भी काम में झोंक देते थे. रोखठोक, स्पष्टवक्ता, काम होना है या नहीं इस पर तुरंत निर्णय और परिणाम देने वाले अजितदादा थे. वे बोलने में सख्त और कड़े थे, पर उतने ही संवेदनशील भी; अनुशासन के मामले में कठोर, पर मन से बेहद कोमल सामान्य लोगों की समस्याओं को गहराई से समझने वाले नेता.

इस हादसे के बाद ऐसा लगता है मानो महाराष्ट्र पर किसी की बुरी नजर लग गई हो. गोपीनाथ मुंडे, प्रमोद महाजन, विलासराव देशमुख, आर.आर. पाटील और अब अजितदादा एक के बाद एक जमीन से जुड़े, जनता की नब्ज पहचानने वाले नेता हमसे बिछड़ते जा रहे हैं.

इनके जाने से पूरा महाराष्ट्र शोकाकुल है, क्योंकि ये सिर्फ राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि आम आदमी के दुख में खड़े रहने वाले सहारे थे. सड़क पर खड़े आदमी का दर्द, किसान के आंसू, मजदूर का संघर्ष और युवाओं के सपने इन सब से उन्होंने अपनी पहचान जोड़ी थी. हर किसी की अर्जियां खुद सुनने और समझने वाला नेता था अजितदादा.

बुधवार की सुबह जैसे ही उनके जाने की खबर फैली, मजदूर, हाथगाड़ी वाले, डबेवाले, ऑटो चालक, पानटपरी वाले लगभग हर वर्ग गहरे दुख में डूबा नजर आया. उनके जाने से महाराष्ट्र को जो क्षति हुई है, उसे नकारा नहीं जा सकता. 35 वर्षों तक राजनीति में सक्रिय रहने वाले नेता कुर्सी से बड़े नहीं होते, वे जनता के दिल में जगह बनाकर बड़े होते हैं और इसलिए काम करने वाले नेता कहलाते हैं. दुर्घटना के बाद सामने आई तस्वीरों से भी दिखा कि उनके साथ के बैग में महाराष्ट्र भर के लोगों की अर्जियां थीं हर जगह उनकी प्रतियां जो यह बताता है कि वे हर पल काम में लगे रहने वाले नेता थे.महाराष्ट्र के हितों के विरोधी भी कम नहीं हैं; राजनीतिक पटल पर राज्य का महत्व घटाने वाले कई हैं. उन्हें रोकने वाला मजबूत कंधा अजितदादा थे और आज वे हमारे बीच नहीं हैं. महाराष्ट्र बहुत कुछ देख और सह रहा है; संभव है यह दौर भी राज्य के लिए एक कठिन अध्याय हो. हालांकि इस मिट्टी से हमेशा नया नेतृत्व उभरता रहा है यही इसकी ताकत है पर यह भी उतना ही सच है कि दूसरे अजितदादा होना संभव नहीं.विदर्भ स्वाभिमान की महान नेता अजीतदादा पवार को विनम्र श्रद्धांजलि, वे सदा अमर रहेंगे.

अमोल भारसाकले
अमरावती

चीनी के साथ यह चीजें भी हैं घातक

पेज 1 से जारी- बढ़ता शुगर लेवल कमजोर पाचन ये सब अचानक नहीं होता, बल्कि सालों की गलत खान-पान की आदतों का नतीजा होता है. अगर आप लंबे समय तक सेहतमंद रहना चाहते हैं, तो इन सफेद चीजों के बारे में जानना आपके लिए जरूरी है.

1. मेयोनीज: स्वाद बढ़ाने वाली लेकिन सेहत बिगाड़ने वाली-आजकल मेयोनीज का चलन तेजी से बढ़ा है. स्ट्रीट फूड हो या फास्ट फूड, बड़ों से लेकर बच्चे तक मेयोनीज बड़े चाव से खाते हैं. लेकिन यह सफेद चीज सेहत के लिए काफी नुकसानदायक मानी जाती है.

मेयोनीज को बनाने में तेल, अंडे की जर्दी, सिरका, नमक और कुछ केमिकल मसाले मिलाए जाते हैं.एक्एक्स के अनुसार, मेयोनीज का ज्यादा सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है,बच्चों में मोटापा तेजी से बढ़ सकता है और हाई कोलेस्ट्रॉल और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा रहता है.

2. सफेद चावल: पेट भरते हैं, पोषण नहीं

भारत के कई हिस्सों में सफेद चावल रोजाना खाने का हिस्सा हैं. लेकिन सेहत के नजरिए से इन्हें ज्यादा अच्छा नहीं माना जाता. सफेद चावल में ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत ज्यादा होता है. कैलोरी अधिक और फाइबर बहुत कम होता है. हेल्थलाइन के मुताबिक, रोजाना व्हाइट राइस खाने से ब्लड शुगर अचानक बढ़ सकता है और मोटापा बढ़ सकता है. खराब कोलेस्ट्रॉल के कारण दिल की बीमारी का खतरा हो सकता है.

3. व्हाइट ब्रेड- सुबह का नाश्ता लेकिन सेहत पर भारी-व्हाइट ब्रेड को लोग अक्सर नाश्ते में खाते हैं, लेकिन इसे बनाने में मैदा, रिफाइंड ऑयल और प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल होता है. यही वजह है कि इसे सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है. व्हाइट ब्रेड के ज्यादा सेवन से वजन तेजी से बढ़ सकता है, ब्लड शुगर जल्दी बढ़ता है और लंबे समय तक खाने से किडनी डैमेज का खतरा भी बढ़ सकता है.

4. मैदा: सबसे खतरनाक सफेद चीज-मैदे से बनी चीजें जैसे मोमोज, चाउमीन, स्प्रिंग रोल और फास्ट फूड आजकल लोगों की पहली पसंद बन चुकी हैं. लोग जानते हैं कि मैदा नुकसानदायक है, फिर भी इसका सेवन कम नहीं हो रहा.

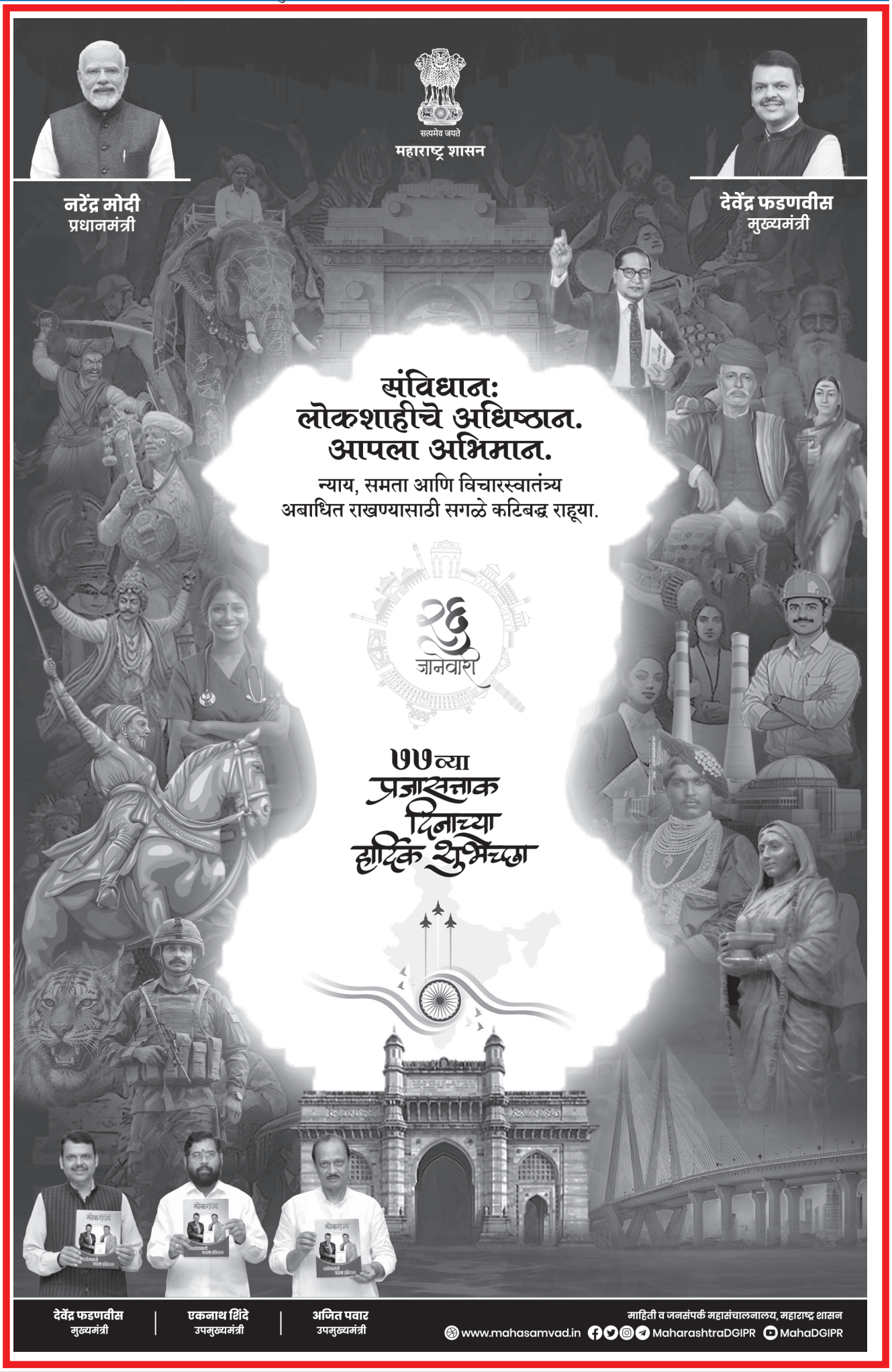

निराशा नहीं,हरि स्मरण का पुण्य कमाकर जीवन आनंदित करें

ज्ञानशांति उपवन में सत्संग में शिव गुरू शर्मा महाराज ने बुजुर्गों को बताया खुश रहने का मंत्र

अमरावती - जीवन में जो अपने होते हैं वह कभी छोड़ते नहीं हैं और जिन्होंने छोड़ दिया, वह अपने नहीं हो सकते हैं. वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को मोहमाया का बंधन छुड़ाकर जीते-जी उन्हें अकेले में रहना पड़ रहा है, यह उन पर प्रभु की बड़ी कृपा है, ऐसे में माया-मोह छोड़कर बुजुर्गों को स्वयं जितना संभव हो, प्रभु का स्मरण करने में अपना समय बिताना चाहिए और सदा आनंदित रहना चाहिए. इस आशय का उपदेशपूर्ण प्रतिपादन मानवसेवी और सदा सकारात्मक विचारों को ही महत्व देने वाले उन्हेंल उज्जैन के गोलोकधाम गौशाला के प्रमुख पूज्य शिव गुरू शर्मा महाराज ने किया. वे मालीपुरा में शुरू श्री शिव महापुराण कथा के लिए अमरावती पहुंचे थे. इस दौरान बुजुर्गों से आत्मीय प्रेम रखने वाले गुरूजी ने मासोद स्थिति ज्ञानशांति उपवन में पहुंचकर बुजुर्गों से स्वयं आशिर्वाद लेने के अलावा यहां जीवन से निराश बुजुर्गों के लिए प्रेरणादायी सत्संग भी किया. मौके पर विदर्भ स्वाभिमान के संपादक सुभाष दुबे, सिद्धेश्वर चावरे, राम सोनी के साथ ही ज्ञानशांति उपवन के सभी बुजुर्ग, प्रबंधक अरूणा पोलाड, पूर्व प्राचार्य गौरी अय्यर, गणेश अय्यर के साथ ही सभी उपस्थित थे. अत्यल्प समय की भेंट रहने के बाद भी बुजुर्गों के चेहरे पर खुशी और संतुष्टि के भाव थे. कार्यक्रम का बेहतरीन नियोजन अरूणा पोलाड तथा सहयोगियों ने किया था.

भागदौड़ भरे जीवन में कुछ ही लोग रिश्तों को निभा पाते हैं. वचन देना और भूल जाना जहां लोगों की फितरत हैं, वहीं गोलोक धाम गौशाला के संचालक और राष्ट्रीय स्तर पर तेजी से छा रहे श्री शिव महापुराण, श्रीमदभागवत कथा तथा श्रीराम कथा के माध्यम से लाखों लोगों को देशप्रेम, धर्मप्रेम, सनातन धर्म का महत्व बताने वाले पूज्य शिव गुरू शर्मा की वचन देने और निभाने की खूबी का अनुभव अमरावतीवासियों को अक्सर आया. गुरूदेव ने तपोवन कुष्ठधाम को भेंट देकर यहां जारी कार्यों का अवलोकन किया और सराहना की. मौके परसहदेव गोले, उपसचिव ऋषिकेश देशपांडे साहित अन्य पदाधिकारी, मुख्याध्यापक,कर्मचारियों के अलावा विद्यार्थी भी उपस्थित थे.

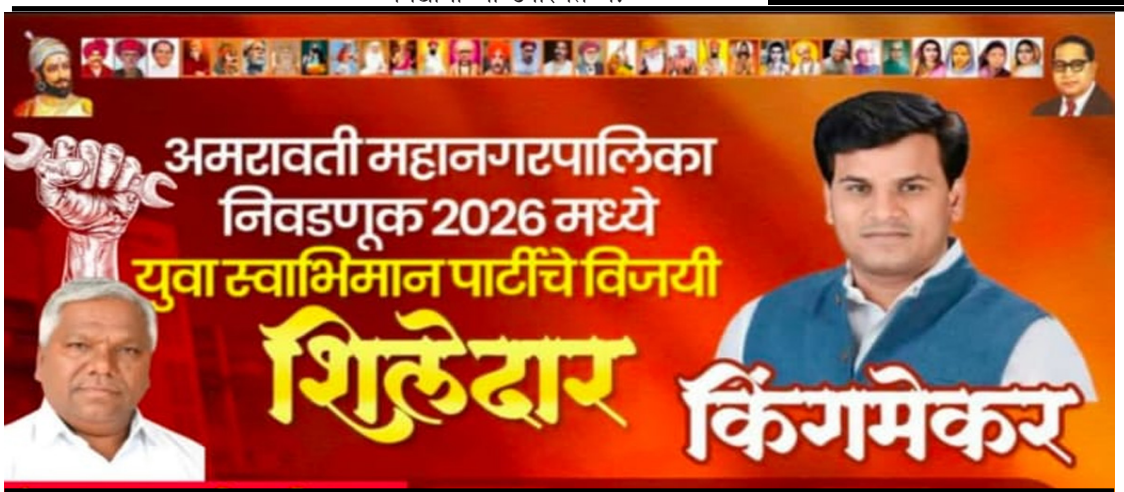

नेतृत्व और जनता के विश्वास को मानती है सबसे बड़ी उपलब्धि

पार्षद सुमतिताई ढोके लोगों के विश्वास को मानती हैं ताकत

विदर्भ स्वाभिमान,28 जनवरी

अमरावती- गोपाल नगर प्रभाग की नगर सेविका और युवा स्वाभिमान पार्टी की स्थापना से लेकर पूर्व लोकप्रिय सांसद नवनीत राणा और बडनेरा के लोकप्रिय तथा कई रिकॉर्ड रचने वाले विधायक रवि राणा, मार्गदर्शक सुनील राणा के अत्यधिक गरीबी नेताओं में सुमति ढोके का समावेश है. उनकी सादगी, लोगों की समस्याएं सुनने का अंदाज और उसे हल करने के लिए महानगरपालिका स्तर पर किए जाने वाले प्रयास का ही नतीजा है कि इस बार के चुनौती पूर्ण चुनाव में भी लोगों ने सबसे अधिक वोटो से ढोके ताई में विश्वास जताते हुए उन्हें फिर से सेवा का मौका दिया. जनता के प्रति समर्पित तथा अपर सेवा भाव रखने वाली ताई का कहना है कि जनता के विश्वास को विश्व सर्वोपरि मानती हैं. प्रभाग के विकास के लिए जहां वे समर्पित रहती हैं, वही प्रभाग का हर नागरिक ताई जैसा सम्मान देता है और उनके साथ हमेशा खड़ा रहता है.

आदर्श महिला नगर सेविका वह होती है जो अपने कर्तव्यों को ईमानदारी, संवेदनशीलता और साहस के साथ निभाए। वह केवल जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि समाज की सशक्त आवाज़ बनकर उभरती है।

हर वर्ग की समस्याओं को सुनना और समाधान के लिए तत्पर रहती हैं.अन्याय के विरुद्ध निर्भीक होकर खड़े होना. विधायक रवि राणा और नवनीत राणा को आदर्श नेता और नेतृत्व मानने

वालों ताई का कहना है कि पार्टी पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं के लिए यह दोनों माता-पिता समान है और उनके सुख और दुख में पूरी ताकत से खड़े रहते हैं.

महिला सशक्तिकरण-महिलाओं, बालिकाओं और वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए सक्रिय प्रयास महानगरपालिका के विभिन्न योजनाओं का लाभ देने की दिशा में प्रयास करती हैं. इसलिए महिलाओं में अपार लोकप्रिय है.क्षेत्रवासी उन्हें अपनी बहन मानते हुए सुख-दुख बताते हैं और वे भी उसका निराकरण करती हैं. स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान रखने के साथी संतुलित विकास के लिए सदा प्रयासरत रहती है.बिना भेदभाव के निष्पक्ष कार्यप्रणाली की सराहना उनके विरोधी भी करते हैं.पिछले कई वर्षों से ढोके ताई से परिचय के दौरान जनता की सेवा को लेकर उनकी तड़प का अनुभव किया.पीड़ित, बुज़ुर्गों और जरूरतमंदों के प्रति करुणा का सदा भाव रखती हैं और मदद के लिए तत्पर रहती हैं. प्रशासन और जनता के बीच सेतु बनकर आदर्श महिला नगर सेविका अपने कार्यों से अपार लोकप्रिय हैं.

लोगों का प्यार और विश्वास सबसे बड़ी दौलत, प्रभाग में बहाऊंगा विकास की गंगा

पार्षद सचिन भें डे ने दिलाया भरोसा,जताई कृतज्ञता

विदर्भ स्वाभिमान, 28 जनवरी

अमरावती- आदर्श युवा नगरसेवक वही है जो ऊर्जा और ईमानदारी जनसंवाद को साथ लेकर शहर को प्रगति की राह पर आगे बढ़ाए.साईंनगर प्रभाग के नागरिकों ने जो विश्वास मुझमे जताया है, वह मेरी लिए सबसे कीमती है और इसके लिए मैं दिल से सभी मतदाताओं और प्रभाग के नागरिकों का धन्यवाद देता है. युवाओं, महिलाओं के साथ ही बुजुर्गों का यह आशिर्वाद ही है, जिसने मुझे मेरे पहले ही चुनाव में रिकार्ड मतों से नगर सेवक के रूप में चुनकर सेवा का मौका दिया. राजनीति के क्षेत्र में मेरे मार्गदर्शन पूर्व सांसद सौ. नवनीत राणा और युवा स्वाभिमान पार्टी के संस्थापक विधायक रवि राणा है. जनसेवा के माध्यम से दोनों ने राजनीति में पदार्पण किया है और आज लोगों की दुवाओं का असर है कि कई रिकार्ड अपने नाम से दर्ज कर रहे हैं. नगर सेवक के रूप में जिस तरह से लोगों ने मुझमें विश्वास व्यक्त किया है, उस विश्वास को निरंतर बढ़ाने का कार्य मैं निश्चित तौर पर करूंगा.

उनके मुताबिक बिना किसी पद पर रहते हुए उन्होंने साईंनगर क्षेत्र में विधायक रवि राणा के सहयोग से करोड़ों रूपए के विकास काम किए हैं, ऐसे में अब जब लोगों ने उन्हें नगर सेवक केरूप में सेवा का मौका दिया है तो निश्चित तौर पर वे प्रभाग में विकास की गंगा बहाएंगे. उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता ही उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है और उसके विश्वास को कायम रखने के लिए अपनी ओर से किसी तरह की कमी नहीं करेंगे. चुनाव में सबसे अधिक वोटों से जीतने का श्रेय मतदाताओं को देते हुए हमेशा इसी तरह का प्रेम और अपनापन देने का आग्रह किया. साथ ही भरोसा दिलाया कि वे भी अपनी ओर से किसी तरह की कमी नहीं करेंगे.उन्हों ने पांच साल के कार्यकाल में साईं नगर प्रभाग का सर्वां गीण विकास का भरोसा दिलाया.

आखिर और कितना चमकेगा सोना

भारत में सोना कैसे चमकता गया है और आज है गरीबों की पहुंच से दूर हो गया है, उसका विवरण कुछ इस तरह है. वर्ष 1964 में 63 रूपए में 10 ग्राम रहने वाला सोना वर्तमान में डेढ़ लाख को भी पार कर रहा है. इसकी जानकारी कुछ इस तरह है. यह और कितना चमकेगा,ऐसा सवाल किया जा रहा है.

1964 से 1969	
वर्ष	कीमत
1964	63
1965	71.75
1966	83.75
1967	102.50
1968	162.00
1969	176.00
1970 से 1979	
1970	184.00
1971	193.00
1972	202.00
1973	278.50
1974	506.00
1975	540.00
1976	432.00
1977	486.00
1978	685.00
1979	937.00
1980 से 1989 में	
1980	1,330.00
1981	1,670.00
1982	1,645.00
1983	1,800.00
1984	1,970.00
1985	2,130.00
1986	2,140.00
1987	2,570.00
1988	3,130.00
1989	3,140.00
1990 से 1999 में चमका	
1990	3,200.00
1991	3,466.00
1992	4,334.00
1993	4,140.00
1994	4,598.00
1995	4,680.00
1996	5,160.00
1997	4,725.00
1998	4,045.00
1999	4,234.00
2000 से 2009	
2000	4,400.00
2001	4,300.00
2002	4,990.00
2003	5,600.00
2004	5,850.00
2005	7,000.00
2007	10,800.00
2008	12,500.00
2009	14,500.00
2010 से 2019	
2010	18,500.00
2011	26,400.00
2012	31,050.00
2013	29,600.00
2014	28,006.50
2015	26,343.50
2016	28,623.50
2017	29,667.50
2018	31,438.00
2019	35,220.00
2020	2026
2020	?48,651.00
2021	48,720.00
2022	52,670.00
2023	65,330.00
2024	77,913.00
2025	1,05,000
2026	1,82,000

राजपुरोहित
फोटो स्टुडीओ
वेडिंग फोटोग्राफी
इवेंट फोटोग्राफी
इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी
HD व्हिडीओ शुटींग
इंस्टाग्राम रील
कॉफी मग प्रिंटींग
ड्रोन शुट
फोटो अलबम
मोबाईल प्रिंटींग

नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने
शिलांगण रोड, अमरावती
संपर्क : 9028123251

ज़नता द्वारा दिखाए गए प्रेम और मेरे नेता लोकप्रिय विधायक रवि राणा और सुनील राणा तथा परिवार द्वारा दर्शाए विश्वास और प्रेम के लिए मैं सदा कृतज्ञ रहूंगा. साईं नगर प्रभाग

के सभी मतदाताओं का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने मुझमें विश्वास जताया और रिकार्ड 5 हजार से अधिक वोटों से विजयी बनाते हुए सेवा का मौका दिया. लोगों के विश्वास को बढ़ाने प्रभाग के सर्वां गीण विकास का प्रयास करूंगा, आप सभी का दिल से आभार.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें
विदर्भ स्वाभिमान
संपर्क
9423426199/8855019189

लोगों के विश्वास को बढ़ाने का ही कार्य सदा करूंगा

नवनिर्वाचित पार्षद योगेश विजयकर ने साक्षात्कार में बताया, लोगों के प्रति जताई आत्मीय कृतज्ञता

विदर्भ स्वाभिमान, 28 जनवरी

अमरावती- आदर्श युवा नगरसेवक वही है जो ऊर्जा और ईमानदारी जनसंवाद को साथ लेकर शहर को प्रगति की राह पर आगे बढ़ाए.आदर्श युवा नगरसेवक वह होता है जो ऊर्जा, ईमानदारी और जनसेवा की भावना से शहर के विकास में सक्रिय भूमिका निभाता है. गड़गड़ेश्वर प्रभाग के नवनिर्वाचित तथा सबसे कम उम्र के नगर सेवक योगेश विजयकर ने विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय को भेंट देकर बातचीत की. उन्होंने स्पष्ट किया कि लोगों ने उनमें जो विश्वास जताया है, उस विश्वास को जनसेवा के माध्यम से बढ़ाने का काम करेंगे.

उनके मुताबिक युवा स्वाभिमान पार्टी के संस्थापक और उनके नेता विधायक रवि राणा, नवनीत राणा तथा सुनील राणा ने जिस तरह से विश्वास जताया उस विश्वास को वे कम नहीं होने देंगे. प्रभाग की जनता के हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने का विश्वास दिलाते हुए युवा नगर सेवक योगेश विजयकर ने कहा कि प्रभाग में साफ-सफाई की समस्या को वे प्रमुखता से लेते हैं. उन्होंने अपने चयन को लोगों का आशिर्वाद बताते हुए कहा कि लोगों ने पहली ही बार उनमें जो विश्वास जताया है, वह उनके लिए महान कार्य

है. वे लोगों के विश्वास को किसी भी रूप में कम नहीं होने देंगे. प्रभाग में सभी सहयोगियों के साथ ही विधायक रवि राणा के नेतृत्व में विकास के साथ ही लोगों की समस्याओं को हल करने का प्रयास करने का भरोसा दिलाया.

बातचीत में योगेश विजयकर ने कहा कि वह हर हाल में जनता के विश्वास को बनाए रखने के साथ ही प्रभाग में विकास तथा साफ-सफाई को अत्याधिक प्राथमिकता देंगे. जनसेवा का जज़्बा रहने के साथ ही बिना किसी तरह का भेदभाव किए हर वर्ग की समस्याओं को अपनी समस्या मानकर समाधान के लिए तत्पर रहेंगे- ईमानदारी व पारदर्शिता के साथ काम करने में यकीन रहने की बात कही. महापालिका की विभिन्न योजनाओं का लाभ देने के साथ ही प्रभाग की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देने की बात कही.रोजगार, शिक्षा, खेल और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने तथा युवाओं के लिए भी विभिन्न योजनाएं लाने तथा बेरोजगारी दूर करने के लिए भी यथासंभव प्रयास करने की बात कही. प्रभाग में पानी, सड़क, सफाई, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने तथा निराकरण करने के लिए प्रयासरत रहने का भरोसा दिलाया. अंत में सभी नागरिकों का प्रेम और विश्वास उन्हें सदा मिलने का भी भरोसा जताया.

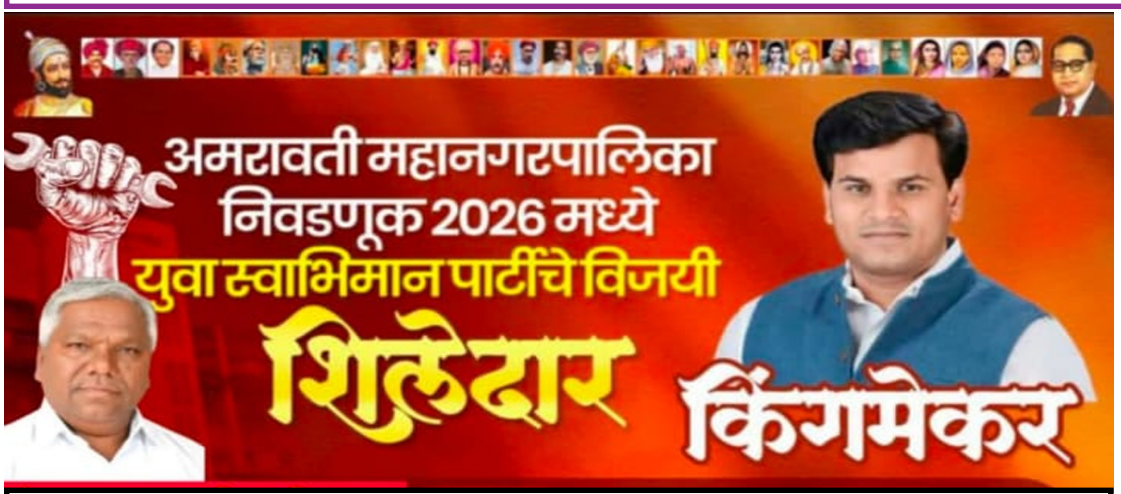

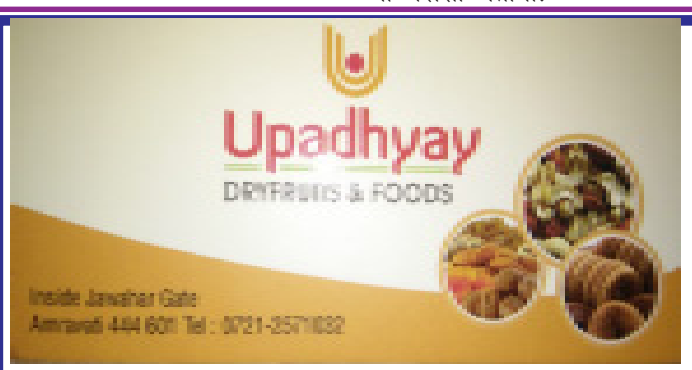

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुडस्,जवाहर रोड के भीतर,अमरावती

ज़नता द्वारा दिखाए गए प्रेम और विश्वास के लिए मैं सदा कृतज्ञ रहूंगा और प्रभाग के सर्वांगीण विकास का प्रयास करूंगा, आप सभी का दिल से आभार.

शुभेच्छुक- असंख्य मित्र मंडल, गड़गड़ेश्वर प्रभाग,अमरावती.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.
शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य
1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर
9881388450